Fergusson College (Autonomous)
Pune

Learning Outcomes-Based Curriculum

For

F.Y.B.A. Hindi (हिंदी)

With effect from June 2019

Programme Outcome

1	छात्र के व्यक्तित्व में विकास परिलक्षित होता है, जो भविष्य में साहित्य अध्ययन की दृष्टि से एवं समाज उपयोगी है।
2	छात्र हिंदी की गद्य एवं पद्य की सभी विधाओं से परिचित हो जाता हैं
3	छात्र में साहित्य अध्ययन से जीवन मूल्यों का विकास होता है | छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होती है, उसका कार्यालयीन हिंदी के लिए उपयोग सिद्ध होता है।
4	विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास, काव्यशास्त्र आदि का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करता है।
5	छात्रों में अंग्रेजी तथा मराठी से हिंदी में अनुवाद करने के कौशल को विकसित कर लिया है, जिससे अनुवाद कार्य में वह निपुण बन जाता है।
6	टेलीविजन, फिल्म संवाद, पटकथा और पत्रलेखन के विविध प्रकारों को सीखता हैं।
7	छात्र विज्ञापन, पल्लवन, संक्षेपण, फीचर लेखन, टिप्पण (नोटिंग), साक्षात्कार लेना आदि कौशलों को प्राप्त करता हैं। जो हिंदी शिक्षा एवं रोजगार की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

Learning Outcome

CLASS	Course Code	Course Title	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
FYBA SEM-I	**HIN1101**	**हिंदी साहित्य और विज्ञापन-I**	**छात्र:** ● कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध पद्धतियों को और शैलियों को पहचानते है। जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक और प्रकृति का विवेचन करना। ● हिंदी साहित्य के कहानी का उद्भव और विकास के बारे में चर्चा करते है। वर्तमान में कौन से रचनाकार है जिनकी कहानी साहित्य समाज के दृष्टी से महत्वपूर्ण है उसके संबंध में भी जानकारी रखते हैं। ● इसके अंतर्गत अलग-अलग विषयों की रचनाएँ पढ़कर समीक्षण करते हैं। ● कविता का रसा-स्वादन कर उसका विवेचन करतेहैं। ● वर्तमान समय में रोजगार की दृष्टि से विज्ञापन का महत्व को पहचानते हैं। ● विज्ञापन का वर्गीकरण और उसके प्रमुख अंगों समझते हैं।
SEM-II	**HIN1201**	**हिंदी साहित्य और विज्ञापन-II**	**छात्र:** ● विद्यार्थी व्यंग्य रचनओं के संबंध में चर्चा करते हैं और व्यंग्य साहित्य की विशेषताओं को समझते हैं। ● गज़ल की योजना और उसके शिल्प को जानते है। ● प्रत्येक कविता का स्वर अलग होता है उसके दर्शन एवं प्रभाव और विचारधारा को उदारहण सहित स्पष्ट करते हैं। ● विविध विषयों संबंधी विज्ञापन प्रारूप तैयार करने में छात्र सक्षम हुए हैं। ● वर्तमान समय में विज्ञापन जीवन का अभिन्न अंग है , यह छात्र जानते हैं।

Programme Structure

Year	Semester	Course Code	Course Title	General / Special	Credits
FYBA	I	HIN1101	हिंदी साहित्य और विज्ञापन -I	General	3
	II	HIN1201	हिंदी साहित्य और विज्ञापन – II	General	3
SYBA	III	HIN2301	कहानी, काव्य एवं लेखन- I	General	3
		HIN2302	हिंदी भाषा का विकास- I	Special	4
		HIN2303	उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- I	Special	4
	IV	HIN2401	कहानी, काव्य एवं लेखन- II	General	3
		HIN2402	हिंदी भाषा का विकास II	Special	4
		HIN2403	उपन्यास, नाटक और मध्ययुगीन काव्य-I	Special	4
TYBA	V	HIN3501	आत्मकथांश और लेखन	General	3
		HIN3502	आदिकाल से रीतिकाल तक	Special	4
		HIN3503	काव्यशास्त्र – I	Special	4
	VI	HIN3601	नाटक और लेखन	General	3
		HIN3602	आधुनिक काल से 2000 तक .ई	Special	4
		HIN3603	काव्यशास्त्र – II	Special	4
S.Y. B.Sc	III	HNS2301	कहानी, कविता और सिनेमा समीक्षा	General	3
	IV	HNS2401	कहानी, कविता और लेखन	General	3

F.Y.B.A. HINDI SEMESTER – I

TITLE: हिंदी साहित्य और विज्ञापन- I

PAPER CODE: HIN1101 [CREDITS - 3]

उद्देश्य:

1. छात्रों को गद्य एवं पद्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय देना|
2. हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रूचि बढाकर छात्रों को साहित्य के अन्य विधाओं से अवगत करना|
3. साहित्य के माध्यम से छात्रों में राष्ट्र प्रेम, सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना को विकसित करना|
4. छात्रों को रोजगार की दृष्टी से विज्ञापन का महत्व समझाना|
5. हिंदी के महत्वपूर्ण विज्ञापन के उद्देश्य से अवगत करना|

Title and Contents

Unit - I (गद्य)	1.1	ईदगाह (कहानी)	- प्रेमचंद
	1.2	काकी (कहानी)	- सियारामशरण गुप्त
	1.3	पंचलाइट (कहानी)	- फणीश्वरनाथ रेणु
	1.4	मिठाईवाला (कहानी)	- भगवतीप्रसाद
	1.5	घीसा (रेखाचित्र)	- महादेवी वर्मा
	1.6	अतिथि तुम कब जाओगे (व्यंग्य)	- शरद जोशी
	1.7	बंटी की कहानी (आत्मकथा अंश)	- मन्नू भंडारी
Unit - II (पद्य)	2.1	दोनों ओर प्रेम पलता है (कविता)	- कवि मैथिलीशरण गुप्त
	2.2	मातृभाषा (कविता)	- केदारनाथ सिंह
	2.3	कूड़ा बीनते बच्चे (कविता)	- अनामिका
	2.4	ठुकरा दो या प्यार करो ? (कविता)	- सुभद्राकुमारी चैहान
	2.5	पुष्प की अभिलाषा (कविता)	- माखनलाल चतुर्वेदी
	2.6	इस जहाँ से कब कोई बचकर गया (ग़ज़ल)	- राजेश रेड्डी
Unit - III (विज्ञापन)	3.1	विज्ञापन: अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्व	
	3.2	विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ	
	3.3	विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत	

References:

1. गद्य वैभव - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, स्नेहवर्धन प्रकाशन, सदाशिव पेठ, पुणे।
2. काव्य सरिता - संपा. डॉ. सुरेश साळुंके, स्नेहवर्धन प्रकाशन, सदाशिव पेठ, पुणे।
3. व्यावहारिक हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
4. हिंदी भाषा एवं व्याकरण - डॉ. माया प्रकाश पांडेय, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।
5. मानक हिंदी व्याकरण - पृथ्वीनाथ पांडे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

F.Y.B.A. HINDI SEMESTER – II

TITLE: हिंदी साहित्य और विज्ञापन- II

PAPER CODE: HIN1201 [CREDITS – 3]

उद्देश्य:

1. छात्रों को गद्य एवं पद्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय देना|
2. वाक्य शुद्धिकरण आदि के माध्यम से छात्रों को वर्तनी के नियम और विरामचिन्हों, हिंदी की गिनती से परिचित करना|
3. छात्रों को विज्ञापन के संबंध में सृजनात्मक लेखन की प्रेरणा देना|
4. छात्रों को विज्ञापन कैसे डिज़ाइन करना और किस प्रकार ले आउट तैयार करना आदि की जानकारी से अवगत करना|
5. हिंदी में महत्वपूर्ण आकर्षित विज्ञापन तैयार कर छात्रों के कौशल का विकास करना|

	Title and Contents	
Unit – I (गद्य)	4.1 बदला (कहानी)	- अज्ञेय
	4.2 वही की वही बात (कहानी)	- रमेश बक्षी
	4.3 महाशुद्र (कहानी)	- मोहनदास नैमिशराय
	4.4 महानगर की मैथिली (कहानी)	- सुधा अरोड़ा
	4.5 बहू की विदा (एकांकी)	- विनोद रस्तोगी
	4.6 मेरा ज्ञान-मेरा अज्ञान (कहानी)	- शंकर पुणतांबेकर
	4.7 गुलज़ार : इस मोड़ से जाते हैं.... (साक्षात्कार)	- संपादन दामोदर खडसे
Unit – II (पद्य)	5.1 अरुण यह मधुमय देश हमारा (कविता)	- जयशंकर प्रसाद
	5.2 जो बीत गई (कविता)	- हरिवंशराय बच्चन
	5.3 गीत फरोश (कविता)	- भवानीप्रसाद मिश्र
	5.4 टूटा पहिया (कविता)	- धर्मवीर भारती
	5.5 संधि-पत्र (कविता)	- अरुण कमल
	5.6 हो गई पीर (ग़ज़ल)	- दुष्यंत कुमार
Unit – III (विज्ञापन)	6.1 विज्ञापन सृजन: संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन	
	6.2 विज्ञापनों की अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)	

References:

1. मानक हिंदी व्याकरण - पृथ्वीनाथ पांडे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भाषा के विविध रूप और अनुवाद - प्रो. कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली।
4. समकालीन हिंदी कहानी का इतिहास - डॉ. अशोक भाटिया, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
5. सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेंद्रकुमार गुप्त, एस चंद एण्ड कंपनी लि. समतानगर, नई दिल्ली।
6. हिंदी व्याकरण - डॉ. कामताप्रसाद गुरू, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।